दास तेरे हे गजानन | Lakhbir Singh Lakkha

दास तेर हे गजानन ध्यान धरती हैं
तेरे चरणों में प्रभु प्रणाम करते हैं
दास तेर हे गजानन.....

चार तेरी हैं भुजाएं रूप मतवाला
शिव सुमन गौरी के लाला भक्त रखवाला
तेरी शक्ति का तो शिव भी मान करते हैं
तेरे चरणों में प्रभु प्रणाम करते हैं
दास तेर हे गजानन.....

रिद्धि सिद्धि लाभ और शुभ साथ में आना
दास का अनुरोध दाता भूल मत जाना
तेरी महिमा का सदा गुणगान करते हैं
तेरे चरणों में प्रभु प्रणाम करते हैं
दास तेर हे गजानन.....

मेरे अंगना में पधारो है अरज़ मेरी
गौरी नंदन जल्दी आओ ना करो देरी
पुष्प चन्दन से तेरा सम्मान करते हैं
तेरे चरणों में प्रभु प्रणाम करते हैं
दास तेर हे गजानन.....

बुद्धि के दाता हमें भी ज्ञान दे जाओ
अपनी भक्ति का हमें वरदान दे जाओ
नित तेरे नाम का रसपान करते हैं
तेरे चरणों में प्रभु प्रणाम करते हैं
दास तेर हे गजानन.....

श्याम सुन्दर दास तेरा इसको अपनाना
हे गजानन लक्खा भी तेरा है दीवाना
कर दो बेडा पार क्यों हैरान करते हैं
तेरे चरणों में प्रभु प्रणाम करते हैं
दास तेर हे गजानन.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a4%be%e0%a4%b8-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b9%e0%a5%87-%e0%a4%97%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a4%a8-lakhbir-singh-lakkha/